बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -03- 11-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज स्वर एवं व्यंजन के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे ।

प्रश्न:
स्वर किसे कहते हैं? उसके भेद बताओ।
उत्तर:
स्वर-वे वर्ण, जिनके उच्चारण में दूसरे वर्गों की सहायता नहीं लेनी पड़ती, 'स्वर' कहलाते हैं।

स्वर ग्यारह होते हैं-
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

स्वरों के भेद स्वर के तीन भेद हैं-
(क) ह्रस्व स्वर – जैसे – अ, इ, उ, ऋ, आदि।
(ख) दीर्घ स्वर – जैसे – आ, ई, ऊ, ऐ, ओ, औ आदि।
(ग) प्लत स्वर – जैसे – ओ३म आदि।।

प्रश्न:
व्यंजन किसे कहते हैं? इसके प्रकार भी बताओ।
उत्तर:
व्यंजन-वे वर्ण, जिनके उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, व्यंजन कहलाते हैं; जैसे- क् में अ जोड़ने से 'क' तथा ख में अ जोड़ने 'ख' बन जाता है।
व्यंजन के प्रकार-हिंदी वर्णमाला में उनतालीस (३६) व्यंजन होते हैं।

१. क वर्ग – क ख ग घ ङ
२. च वर्ग – च छ ज

३. ट वर्ग – ट ठ ड ढ ण

४. त वर्ग – त थ द ध न

५. प वर्ग – प फ ब भ म

६. अन्तःस्थ – य र ल व

७. ऊष्म – श ष स ह

६. संयुक्त – क्ष = क + ष् + अ, त्र = त् + र + अ, ज्ञ = ज्+ + अ, श्र = श + र् + अ

अनुस्वार (अं)-समस्त पंचम वर्णों (ङ, ञ, ण, न, म) को बिंदु (-) के माध्यम से प्रकट किया जाता है। इसे अनस्वार (अं) कहते हैं; जैसे- गंगा, मंगल, जंगल आदि।

विसर्ग (अः)-इसे ऊपर-नीचे दो बिंदुओं (:) के सहारे प्रकट करते हैं; जैसे-प्रातः, अत: आदि।
मात्रा-व्यंजन को पूरा करने के लिए स्वर वर्ण के जो निर्धारित चिह्न हैं, उन्हें मात्रा कहते हैं।
मात्राएँ-निम्न होती हैं-

स्वर	–	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
मात्राएँ	–		ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ

विशेष-'अ' सभी व्यंजनों में मिला होता है, इसीलिए इसकी मात्रा नहीं होती।

लिखकर याद करें।